TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

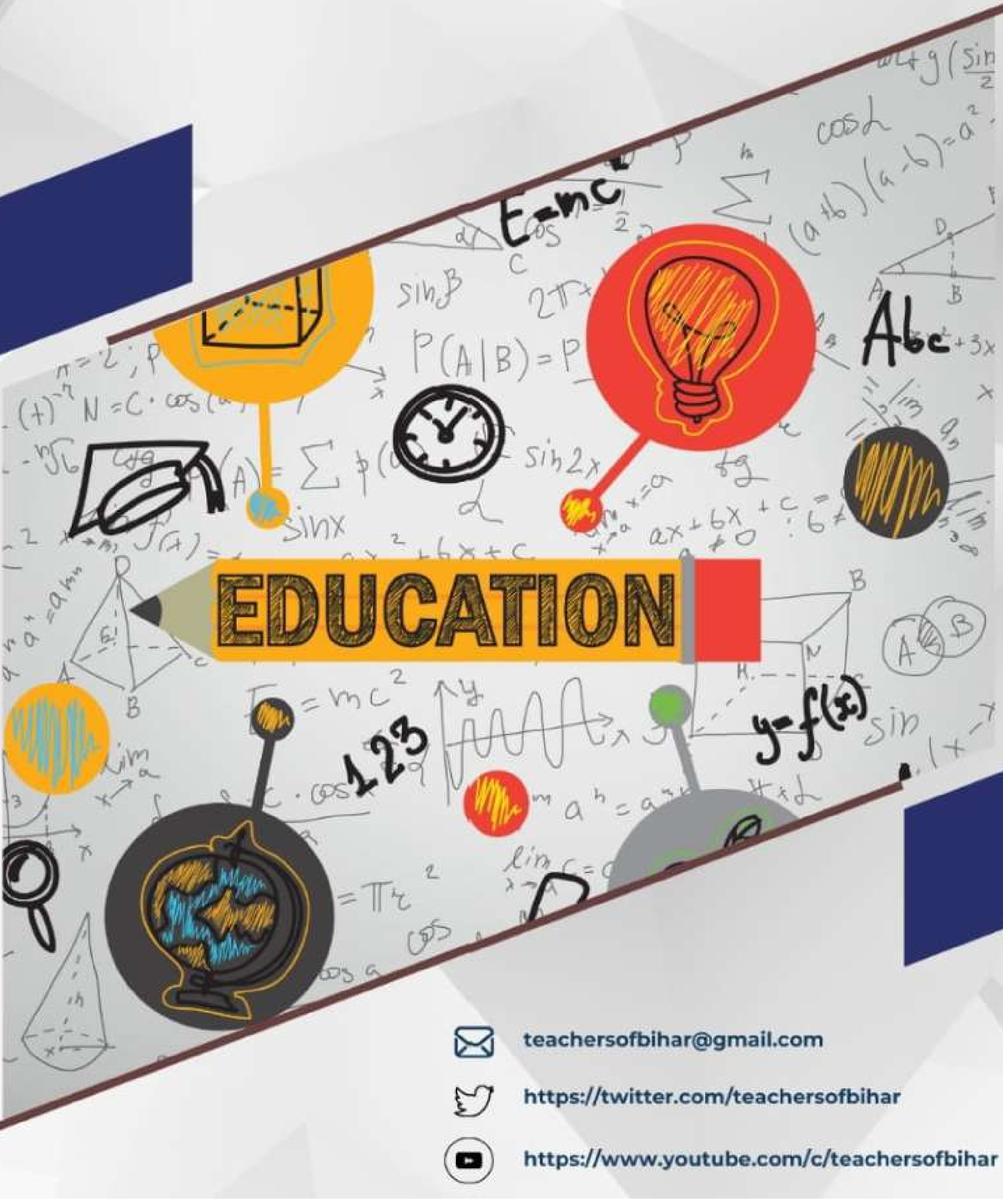

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

20 मई 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

शिक्षा ही समाज को बदलने का सबसे शक्तिशाली साधन है।

राकेश कुमार

दिवस विशेष

20 मई

मधु प्रिया

सुमित्रानंदन पंत का जन्म 20 मई

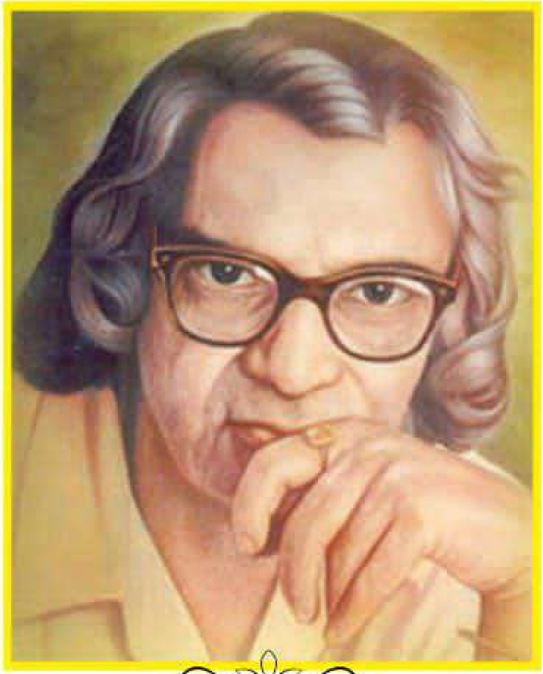

संपूर्ण भारत वर्ष में अब तक ऐसे अनेकों प्रकार के कवि हुए, जिन्होंने हिंदी साहित्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। परंतु महा कवि सुमित्रानंदन पंत जी एक ऐसे कवि माने जाते हैं, जिनके बिना हिंदी साहित्य का विकास अधूरा माना जाता है। सुमित्रानंदन पंत जी हिंदी साहित्य के महान कवि थे। सुमित्रानंदन पंत जी ने हिंदी साहित्य के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। सुमित्रानंदन पंत का जन्म अल्मोड़ा (उत्तर प्रदेश) के कैसोनी गाँव में 20 मई 1900 को हुआ था। इनके जन्म के कुछ घंटों पश्चात् ही इनकी माँ चल बसी। आपका पालन-पोषण दादी ने ही किया।हिंदी साहित्य सेवा के लिए उन्हें पद्मभूषण(1961), ज्ञानपीठ(1968), साहित्य अकादमी तथा सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार जैसे उच्च श्रेणी के सम्मानों से अलंकृत किया गया। सुमित्रानंदन पंत के नाम पर कौसानी में उनके पुराने घर को, जिसमें वह बचपन में रहा करते थे, 'सुमित्रानंदन पंत वीथिका' के नाम से एक संग्रहालय के रूप में परिवर्तित कर दिया गया है। इसमें उनके व्यक्तिगत प्रयोग की वस्तुओं जैसे कपड़ों, कविताओं की मूल पांडुलिपियों, छायाचित्रों, पत्रों और पुरस्कारों को प्रदर्शित किया गया है। इसमें एक पुस्तकालय भी है, जिसमें उनकी व्यक्तिगत तथा उनसे संबंधित पुस्तकों का संग्रह है। सुमित्रानंदन पंत की कुछ अन्य काव्य कृतियाँ हैं - ग्रन्थि, गुंजन, ग्राम्या, युगांत, स्वर्णकिरण, स्वर्णधूलि, कला और बूढ़ा चाँद, लोकायतन, चिदंबरा, सत्यकाम आदि। उनके जीवनकाल में उनकी 27 पुस्तकें प्रकाशित हुई, जिनमें कविताएं, पद्य-नाटक और निबंध शामिल हैं। पंत अपने विस्तृत वाङमय में एक विचारक, दार्शनिक और मानवतावादी के रूप में सामने आते हैं किंतु उनकी सबसे कलात्मक कविताएं 'पल्लव' में संगृहीत हैं, जो 1918 से 1925 तक लिखी गई 32 कविताओं का संग्रह है।

जयंती विशेष 20 मई

"झर पड़ता जीवन-डाली से
मैं पतझड़ का-सा जीर्ण-पात!
केवल, केवल जग-कानन में
लाने फिर से मधु का प्रभात!"

हिंदी साहित्य के

प्रसिद्ध कवि सुमित्रानंदन पंत

की जयंती पर शत्-शत् नमन

20 मई, 1900 - 28 दिसंबर, 1977

सुमित्रानंदन पंत *Sumitranandan Pant*, जन्म: 20 मई 1900; मृत्यु: 28 दिसंबर, 1977) हिन्दी साहित्य में छायावादी युग के चार स्तंभों में से एक हैं। सुमित्रानंदन पंत नये युग के प्रवर्तक के रूप में आधुनिक हिन्दी साहित्य में उदित हुए। सुमित्रानंदन पंत ऐसे साहित्यकारों में गिने जाते हैं, जिनका प्रकृति चित्रण समकालीन कवियों में सबसे बेहतरीन था।

वैज्ञानिक कारण

SCIENCE

रेगिस्तान में दिन बहुत गर्म और रातें बहुत ठंडी होती है, क्यों?

क्योंकि रेगिस्तान में रेत या बालू ही बालू पाया जाता है। रेत मिट्टी की तुलना में ऊष्मा को अधिक अवशोषित करती है। अतः दिन में रेगिस्तान अधिक गर्म हो जाता है। चूंकि अच्छा अवशोषक अच्छा विकिरक भी होता है। अतः सूर्यास्त होने के बाद बालू शीघ्र ही ऊष्मा को विकरित कर देता है। अतः रेगिस्तानी रातें ठंडी होती है।

Madhu priya

बिना विकेट खोए हाईएस्ट रन चेज

टीम	स्कोर	ओवर	खिलाफ	मैदान	साल
GT	205/0	19	DC	दिल्ली	18 मई 2025
KKR	184/0	14.5	GT	राजकोट	7 अप्रैल 2017
CSK	181/0	17.4	PBKS	दुबई	4 अक्टूबर 2020
RCB	181/0	16.3	RR	वानखेड़े	22 अप्रैल 2021

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **20.05.2025**

भाषा विविधता

भाषा विविधता का अर्थ है विभिन्न भाषाओं और बोलियों का एक साथ अस्तित्व, जो दुनिया भर के विभिन्न समुदायों की भाषाओं और बोलियों की विविधता को दर्शाता है। यह भाषाओं के बीच अंतर, जैसे कि उच्चारण, शब्दावली और व्याकरण, को भी दर्शाता है।

 राकेश कुमार

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

मेघालय में मिली रहस्यमयी **नीली झील कोई** नहीं जानता कि यह झील **नीले रंग की** क्यों है, लेकिन यह **जगह भारत और विदेश से** आने वाले कई **पर्यटकों का ध्यान** खींचती रही है।

पद्य पंकज

"

मैं नीर भरी दुख की बदली।
स्पंदन में चिर पीड़ा सस्मित,
श्यामल प्रेम बिंधी नवचली।।
पुलक हृदय की मूर्च्छा खोकर,
बनती आँसू की शाली।
मैं नीर भरी दुख की बदली।।

महादेवी वर्मा

Madhu priya

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

ToB बूझो तो जानें..

538

मेरा सिर है, पर आँख नहीं, पेट है, पर खाता नहीं, पैर हैं, पर चल नहीं सकता मैं क्या हूँ ...बुझो तो जानें ?

www.teachersofbihar.org

संजय कुमार

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Congratulations

Completed

70K

Members on facebook Group

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
विश्व मधुमक्खी दिवस
20 मई
www.teachersofbihar.org
Madhu priya

भारत के स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में 'क्रान्तिकारी विचारों के जनक', 'लाल' 'बाल' 'पाल' तिकड़ी का एक हिस्सा

बिपिन चन्द्र पाल

की पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन।

जन्म- 07 नवम्बर 1858 - मृत्यु- 20 मई 1932

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

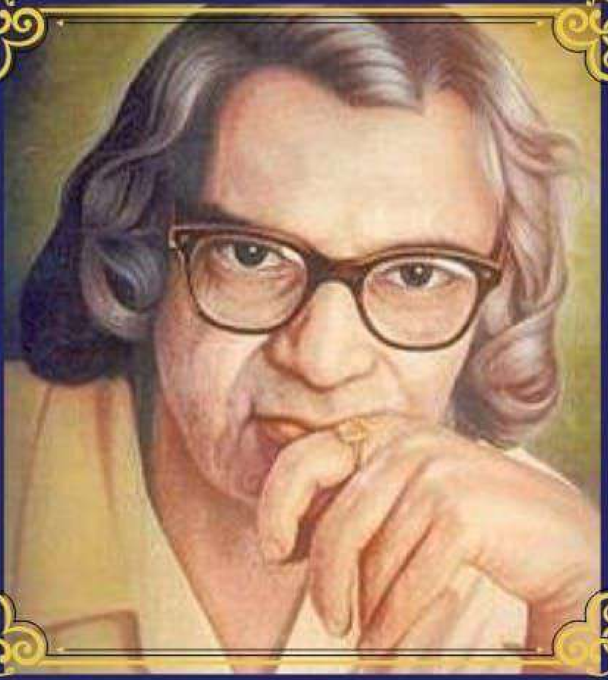

प्रकृति के सुकुमार कवि के नाम से प्रसिद्ध ,छायावादी युग के महान कवि

सुमित्रानंदन पंत

की जयंती पर कोटि-कोटि नमन

जन्म: 20 मई 1900 - मृत्यु: 28 दिसम्बर 1977

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

Congratulations
Completed 70k Members on ToB Facebook Group
70K
Members
www.teachersofbihar.org
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
Punita Kumari